

12.58 hrs.

**MATTERS UNDER RULE 377**

**(i) LAY OFF OF TEXTILE WORKERS IN AHMEDABAD.**

**MR. SPEAKER:** Shri Mavalankar may invite the attention of the House to a matter under Rule 377. No speech. You just invite the attention of the House.

**SHRI P. G. MAVALANKAR** (Ahmedabad): Sir, I must thank you for granting me permission to raise this urgent matter. A grave situation has arisen because nearly 15,000 textile workers in Ahmedabad have been laid off due to the 50 per cent power cut which has come into operation since yesterday. This power cut is very extraordinary and unprecedented in Gujarat because this 50 per cent harsh power cut is in addition to the already existing power cut of 15 per cent and a number of other restrictions like staggering imposed since last October. The textile workers of Ahmedabad have been suffering for quite some time. This 50 per cent power cut has rendered 15,000 textile workers idle. There is a great alarm and dismay in the textile and industrial world of Ahmedabad. If this alarming situation goes on, I am afraid 40,000 to 50,000 textile workers would be out of job in a matter of days. I want, therefore, the Government, particularly the Ministers concerned, to look into this matter carefully and urgently. The other difficulty is that the coal crisis is also deepening. The coal supply position for textile mills is day by day becoming precarious. Therefore, I invite the attention of the Government and the Minister concerned to the very serious situation where the textile workers in Ahmedabad are plunged in great difficulties. Already, they are living in hell. On top of it, there is this 65 per cent power cut resulting in thousands of workers getting out of job. The Government have not

done anything for the last few days. Though negotiations with ONGC workers are going on for last two years, no decision has been taken. Government should look into the matter urgently and give some immediate relief to the workers.

13 hrs.

**(ii) ATTEMPT TO DEMOLISH STATUE OF DR. B. R. AMBEDKAR AT BAYANA, RAJASTHAN.**

**PROF. MADHU DANDAVATE** (Rajapur): I want to draw attention to a very disgraceful event that has taken place. On the 14th April the entire country celebrated the fifth anniversary of Dr. B. R. Ambedkar, the maker of our Constitution and a great social rebel. In the Central Hall here we celebrated his birthday. On that day one of the Deputy Ministers at the Centre, Shri Pahadia, had unveiled the statue of Dr. Ambedkar at Bayana in Rajasthan in the morning. In the same evening some gangsters attacked the statue of Dr. Ambedkar and tried to demolish it. Dr. Ambedkar was born as an untouchable in this country and, unfortunately, because of our orthodoxy he died as an untouchable to the lasting shame of all. Even the statue of Dr. Ambedkar has been treated as an untouchable and attacked, even though he was the maker of our Constitution and a great social rebel. It should not be treated as a mere technical matter saying there is no obligation on the part of the Minister to make a statement. Dr. Ambedkar in this country stands on a high pedestal. So, I demand of the Minister that he should make a categorical statement that immediately an investigation would be instituted and those who are responsible for this act would be punished in a deterrent way so that in future the orthodoxy will not act in a manner which will betray the confidence of the people of this country.

श्री बी० पी० मी० (हाबुड) : अध्यक्ष जी, जिस स्थान की दुर्घटना है, बयाना, भरतपुर की, वहाँ के विधायक श्री मत्थी सिंह जी का पत्र मेरे हाथ में है और इसी पत्र के द्वारा मुझे इस दुर्घटना का पूर्ण रूप से ज्ञान हुआ है। उन्होंने इस पत्र में मुझे लिखा है कि "भाय्यवर, मुझे यह सूचना देते हुए अति दुःख होता है कि 14-4-73 को भारतीय संविधान की जनक, शोषित जनता के मसीहा तथा सर्वोच्च व्यवस्था के जनक पूज्य बाबा साहब डा० बी० भार० अम्बेदकर की बयसिबीं जन्म गाँठ का आयोजन नगरपालिका, कस्बा बयाना, राजस्थान की ओर से किया गया था तथा वहाँ की उपासक जनता की ओर से शहर में मुख्य-मुख्य स्थानों पर जुलस निकाला गया था जिसमें लगभग 20,000 व्यक्तियों ने भाग लिया था। इस अवसर पर एक ग्राम सभा का आयोजन किया गया था जिसकी अध्यक्षता श्री शंकार लाल चौहान, मंत्री समाज कल्याण, राजस्थान सरकार ने की तथा इस पुण्य अवसर पर बाबा साहब डा० अम्बेदकर की शिल्प मूर्ति का शिलान्याम, केन्द्रीय उप मंत्री, श्री जगन्नाथ पहाड़िया जी के कर कमलो द्वारा हुआ। यह समारोह अति धूम धाम के साथ मनाया गया। लेकिन इस सभा में कुछ विरोधी तत्वों ने बाबा साहब डा० अम्बेदकर के विरुद्ध नाना प्रकार के गंदे नारे सभा के होते हुए लगाये जिस के कारण सभा को समाप्त किया गया और दो घंटे तक इस तरह का विरोध सभा में होता रहा। कोई भी पुलिस की ओर से कार्यवाही नहीं हुई। दुर्भाग्य की बात है कि 15-4-73 को जब बाबा साहब पार्क में बाबा साहब डा० अम्बेदकर के उपासक परमार्थ गये तो उन्हें मालूम पड़ा कि बाबा

साहब की पवित्र मूर्ति पर, डामर के काले धब्बे उनके चेहरे पर थे तथा उस मूर्ति के शरीर पर अनेकों चोटें पड़वायी गयी हैं।<sup>1</sup> यही नहीं उनके गले में जूतों की माला डाली गयी थी। इस अद्भुत घटना को देख वहाँ की उपासक जनता ने विरोध में जुलूस भी निकाला और यह मांग की कि जो लोग इसमें मुजरिम हैं उनको गिरफ्तार किया जाए। ग्राम सभा के जरिये से कस्बे की जनता ने उस बात पर जोर शराबा किया। यही नहीं इस घटना की रिपोर्ट नगरपालिका बयाना ने अपनी ओर से पुलिस थाना, बयाना में की।" यह पत्र बहुत लम्बा चौड़ा है, इस को पूरा पढ़ कर सदन का समय खराब नहीं करूँगा। उन्होंने कहा है कि इसमें स्थानीय पुलिस बिल्कुल असमर्थ रही है। उनको मालूम था, वहाँ रिपोर्टें भी हुई हैं, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। अगर इसमें मजबूत कार्यवाही नहीं हुई तो अन्त में वह कहते हैं कि "मैं आमरण सत्याग्रह लोक सभा के सामने करूँगा, इसके लिए मुझे जिम्मेदार करार न दिया जाए।"

मैं आप से कहता हूँ कि परम पूज्य डा० अम्बेदकर साहब केवल शोषितों के ही मसीहा नहीं थे, पंडित जवाहर लाल नेहरू की इच्छानुसार उन्हें इस देश की संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन का पद भी प्राप्त हुआ। वे एक तरह से संविधान के दाता थे, विधाला थे। यह संविधान की अबहेलना है, देश की अबहेलना है और एक महापुरुष का अपमान है। मैं आप से प्रार्थना करूँगा कि गृह मंत्रालय के जरिये मुख्य मंत्री के द्वारा बहुत सख्ती के साथ इस मामले की जांच करायी जाए। अगर मुल्जमान एक महीने के अन्दर विरफ्तार

[श्री बी० बी० मोदी]

नहीं किये गये, तो हमारे बाजुओं में भी बदला लेने की ताकत है और हम जा कर मौके पर बदला लेंगे, यह मैं कहना चाहता हूँ। मैं पुनः कहना चाहता हूँ कि अधिक से अधिक एक महीने के अन्दर अन्दर मूल्यमान गिरफ्तार होने ही चाहियें।

MR. SPEAKER: I will pass it on to the Minister concerned. We are completely at one with you. It is very shocking that such things should happen. It is only a few months back that a very beautiful statue of Gandhiji—a lot of money was spent on it—was put up in Amritsar and somebody did mischief and cut off its arm and the head. This tendency to spoil and destroy the statues of eminent people and our great leaders is highly condemnable. I think the Ministry of Home Affairs should take very serious action on it.

श्री जयन्नाथ राव जोशी (शाजापुर) .  
अध्यक्ष महोदय, ऐसी घटना 14 तारीख को हुई और आज तक कोई पकड़ा न जाए यह बात समझ में नहीं आती।

MR. SPEAKER: I now pass on to the next item.

13.8 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS—(contd.)

MINISTRY OF AGRICULTURE—contd.

MR. SPEAKER: The House will now take up further discussion and voting on Demands for Grants under the control of the Ministry of Agriculture.

Shri Chandra Bhal Mani Tiwari was on his legs.

श्री चन्द्रबाल मनी तिवारी (बलरामपुर) : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैं कल बोल रहा था उसी विषय में फिर जा रहा हूँ कि हम ने खेती के डेवलपमेंट पर धरार अपने पूर्ण साधनों से, सारे उपयोगी साधनों से कार्य प्रारम्भ नहीं किया तो देश की यह दुर्दशा भी अपने सामने देखने को मिलेगी जैसा कि आप को मालूम है कि रशिया में अपने प्रारम्भिक काल में, जब वह डेमोक्रेटिक शासन में आया, तो उसे 18 साल भोगनी पड़ी। उस इतिहास के दोहराने से भारत का कल्याण नहीं होगा है।

भारत की आबादी आज करीब 55 करोड़ है। यदि भारत की यह पौपुलेशन इस सुधार पर अपनी निगाह डालेगी, हमारे मंत्री जी इस पर विशेष ध्यान देंगे तो शायद इसकी यह दुर्दशा नहीं होगी। अब मैं कुछ खास बातों पर आऊंगा। देहात में और शहर में कुछ भेद दिखाई पड़ते हैं। जैसा इन्सान शहर में है वैसा ही इन्सान देहात में है, लेकिन दोनों के स्टैन्डर्ड फ्राफ़ लिबिग में अन्तर है। इस का कारण यह है कि हमारे देहात का विकास, देहात की प्रोग्रेस बिल्कुल रुकी हुई है। इसका क्या कारण है? क्या मंत्री महोदय ने कोई कम्पेरेटिव चार्ट तैयार नहीं किया? अगर तैयार किया है तो मैं चाहूंगा कि अपने उत्तर से उस पर रोगनी डालें। मैं उसके बारे में कुछ बुनियादी जरूरतों पर निगाह डालने की कोशिश करूंगा। जो शहरों को सुविधायें हैं न की गयी हैं, जैसे सड़कों की बिजली वगैरह यही सुविधायें देहात में भी प्रदान करनी हियें ताकि यहां भी आबनी ऐमसाइन्ड हो जायें और अपने को देखें कि यह भी